पुलिस से झूमा-झपटी करने वाले चार ईरानी गिरफ्तार

ईरानियों की गतिविधियों की जांच की उठ रही मांग

शहडोल, देशबन्धु। पुलिस से झुमाझपटी, गाली गलौज और शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में आरोपी चार ईरानियों को बुढ़ार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अन्य 16 आरोपी फरार है जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उसमें फिरोज अली जाफरी, खानू अली, मनोहर अली और सादिर अली शामिल हैं।

वहीं दूसरी और ऐसी भी जानकारी मिल रही है, कि उत्तर प्रदेश के साथ ही राजस्थान और छत्तीसगढ़ की पुलिस भी शहडोल जिले में डेरा डाली हुई है और इन तीनों राज्यों की पुलिस के राडार पर कुछ ईरानी युवक हैं। सूत्र बता रहे हैं कि इन राज्यों की पुलिस के पास पुख्ता इनपुट और सूचना है कि इन ईरानी युवकों ने उनके प्रांत में जाकर लाखों की ज्वेलरी पर हाथ साफ किया और चुपचाप वह इधर चले आए। इनमें यूसुफ और तौहीद जैसे ईरानी युवकों का नाम बताया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि यूसुफ और तौहीद के पकड़ में आने के बाद उनके पूरे सिंडिकेट और गतिविधियों का खुलासा हो सकेगा।

इस घटना के बाद से अब तरह-तरह के सवाल चर्चाओं में है और सोशल मीडिया में भी इसको लेकर बहस चल रही है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि इन ईरानियों ने जिले भर में जहां अपना डेरा बसाया है उन जमीनों की विधिवत जांच कराई जाए की कहां उन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है और कहां विधिवत मकान का निर्माण कराया है। सोशल मीडिया में लोग यह भी कह रहे हैं, कि चश्मा और पत्थर बेचने की आड़ में इन ईरानियों द्वारा पर्दे के पीछे गैर कानूनी गतिविधियों का अंजाम दिया जाता है। एक सवाल यह भी चल रहा है कि महज चश्मा बेचने वाले इन ईरानियों के पास लग्जरी वाहन और नए-नए महंगे मोबाइल फोन कैसे आ जाते हैं। इनके लग्जरी वाहनों के जांच की मांग भी उठ रही है।

लोगों का यह भी कहना है, कि जहां-जहां भी ईरानियों ने अपना बाड़ा बसाया है उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जाए ताकि यह पता चल सके कि उनके यहां किस-किस तरह के लोगों का आना-जाना बना रहता है। ईरानियों के खिलाफ स्थानीय लोगों के साथ-साथ संगठन के लोगों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है जिसमें शासकीय भूमि से ईरानी मोहल्ला को मुक्त कराने की मांग की गई है।

टाइगर के हमले से एक की मौत, ग्रामीणों में दहशत

उमरिया, देशबन्धु। जिले के इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम चनसुरा में रविवार दोपहर एक दर्दनाक घटना घटी। बाघ के हमले में 50 वर्षीय जुदधु कोल पिता फज्जी कोल की मौत हो गई। घटना के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों को वन क्षेत्र से दूर रहने और सतर्कता बरतने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

लगातार हो रहे बाघ के हमले, दहशत में ग्रामीण-यह पहली बार नहीं है, जब इस क्षेत्र में बाघ ने हमला किया हो। करीब एक साल पहले इसी इलाके में भूरी बाई पति मेजाजी कोल पर भी एक बाघ ने हमला किया था। उस घटना में बाघ ने महिला को जबड़ों में दबोच लिया था और घने जंगल की ओर खींचकर ले गया था, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई थी। अब एक साल के भीतर दूसरी बार इंसानी जान जाने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। वन विभाग के अनुसार यह घटना पनपथा बफर परिक्षेत्र के उत्तर पलझा बीट के

ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

इस घटना के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है। कई लोग जंगल में खेती और पशुओं के लिए चारा लेने जाते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। वन विभाग और प्रशासन अब इस क्षेत्र में बाघों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षात्मक कदम उठाने की योजना बना रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जंगल में जाने से बचने और सतर्क रहने से ही इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। पास, आरएफ 632 के करीब हुई है। माना जा रहा है कि हमला करने वाला बाघ अभी भी घटनास्थल के आसपास ही मौजूद हो सकता है। यही कारण है कि वन विभाग ने ग्रामीणों को वन क्षेत्र से दूर रहने और जंगल में अकेले न जाने की सख्त हिदायत दी है।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की पनपथा बफर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूक किया। वन अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में लगातार बाघों की आवाजाही देखी जा रही है और अब यह आवश्यक हो गया है कि ग्रामीण सतर्क रहें। वन विभाग अब इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यह वही बाघ है, जिसने पहले भी हमला किया था या कोई नया बाघ इस इलाके में सक्रिय है। इसके अलावा वन विभाग ने बाघ की निगरानी के लिए कैमरा ट्रैप और गश्ती दल को तैनात करने की योजना बनाई है।

सार-समाचार

शबे कद्र पर नूरी मस्जिद में खास इंतजाम

शहडोल, देशबन्धु। नूरी मस्जिद धनपुरी में 26 रमजान को शबे कद्र मनाया जाएगा। इसकी तैयारी भी जोर-शोर से की गई है। माहे रमजान सबसे बेहतर रातशबे कद्र को रात भर इबादत के बाद मुसलमान अपने रिश्तेदारों, अजीजो-अकारिब की कब्रों पर सुबह-सुबह फातिहा पढ़कर उनकी मगफिरत (मोक्ष) के लिए दुआएं भी मांगेंगे। इस रात में अल्लाह की इबादत करने वाले मोमिन के दर्जे बुलंद होते हैं। गुनाह बक्श दिए जाते हैं। दोजख की आग से निजात मिलती है। 26 रमजान को शबे कद्र मनाने के लिए नूरी मस्जिद में तैयारी शुरू कर दी गई है। नूरी मस्जिद के सदर शाहनवाज अंसारी ने जानकारी में बताया है कि इस रात को जो लोग मस्जिद में आएंगे इबादत के लिए उनके लिए बेहतरीन शहरी का इंतजाम किया जाएगा। इसके साथ ही जिले भर की मस्जिदों में भी शबे कद्र के मौके पर खास इंतजाम किए जाएंगे।

राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल के लिए सुहानी चयनित

शहडोल, देशबन्धु।शालेय राज्य स्तरीय 19 वर्ष बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन विदिशा में हुआ था। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल के आधार पर फुटबॉल एकेडमी विचारपुर खेल युवा कल्याण विभाग शहडोल व दक्षिण पूर्व मध्य मिश्रित हाई स्कूल रेलवे शहडोल की कक्षा 9वीं की छात्रा सुहानी कोल का चयन राष्ट्रीय फुटबॉल के लिए किया गया है।

उक्त जानकारी देते हुए सहायक संचालक खेल व एनआईएस फुटबॉल कोच रईस अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता इंफाल (मणिपुर) में 15 से 21 अप्रैल तक आयोजित होगी। जिसका प्रि नेशनल कोचिंग कैंप 8 से 12 अप्रैल तक इंदौर में आयोजित होगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी सुहानी कोल को विचारपुर फुटबॉल खेल मैदान शहडोल में डॉ केदार सिंह कलेक्टर शहडोल, राम जी श्रीवास्तव एसपी शहडोल, अरविंद शाह एसडीएम शहडोल द्वारा बुके एवं फुटबॉल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सहायक संचालक खेल (एनआईएस) फुटबॉल कोच रईस अहमद, फुटबॉल कोच अनिल सिंह, लक्ष्मी सहिस, नरेश कुंडे, सीताराम सहिस, शंकर दहिया,अभय पासवान, रहीम खान पीटीआई दक्षिण पूर्व मध्य मिश्रित हाई स्कूल रेलवे, अजय सोंधिया व दयानंद सोंधिया ब्लॉक कोऑर्डिनेटर खेल युवा कल्याण विभाग, बृज बिहारी कामले, ज्ञानेंद्र सिंह, युवराज सिंह उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का भव्य उद्घाटन

ब्यौहारी, देशबन्धु। राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) इकाई, पंडित रामकिशोर शुक्ल स्मृति कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ब्यौहारी द्वारा गोद लिए गए ग्राम बेड़रा (विकासखंड ब्यौहारी, जिला शहडोल) में सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य उद्घाटन हुआ। यह शिविर 22 मार्च से 28 मार्च तक चलेगा, जिसकी थीम मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा रखी गई है।शिविर का आयोजन अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय एवं मध्य प्रदेश शासन के निर्देशन में किया जा रहा है।

मुख्य अतिथियों का उद्बोधन उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सुश्री सौम्या आनंद उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत पटेल (सिविल अस्पताल, ब्यौहारी) एवं ग्राम पंचायत बेड़रा के सरपंच श्री छोटेलाल सिंह थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आर. सी. त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर एसडीएम सुश्री सौम्या आनंद ने स्वयंसेवकों को स्वामी विवेकानंद की कार्यशैली एवं वक्तृत्व कला से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा, 卐मैंने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में सुना था, लेकिन आज इसे प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला।卐कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. आर. सी. त्रिपाठी ने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए वर्षा जल संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

एफडीआई सीमा को सौ प्रतिशत करने की घोषणा अनुचित

शहडोल, देशबन्धु। ऑल इण्डिया इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसियेसन के सह सचिव व सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाई संगठन के महासचिव कामरेड धर्मराज महापात्र ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अभी हाल ही में देश की वित्त मंत्री के द्वारा पेश किए गए बजट में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को

मौजूदा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की घोषणा की गई है। भारत सरकार का यह निर्णय पूरी तौर पर अनुचित है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कीमती संसाधनों को जुटाने और अपने नागरिकों के प्रति राज्य के दायित्व को पूरा करने के लिए इसके गंभीर परिणाम होंगे। कामरेड ने कहा कि आल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसियेशन की ओर से हमने इसे वापस लेने की मांग की है।

कामरेड महापात्र ने कहा कि वर्ष 1999 में आईआरडीए विधेयक के पारित होने के साथ ही बीमा क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण समाप्त किया गया था। इस अधिनियम के जरिये उसके बाद निजी भारतीय पूंजी को विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी में बीमा उद्योग में काम करने की अनुमति दी। उस समय एफडीआई की सीमा 26 प्रतिशत तक सीमित था, फिर इसे बढाकर

कामरेड महापात्र ने पत्रकारों के समक्ष खुलकर रखीं अपनी बातें

वर्तमान सरकार ने ही पहले 49 और तब से इसे बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया है और इसे वे अब 100 प्रतिशत करने की घोषणा की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह प्रस्ताव भी वित्त विधेयक के साथ पेश किया है जबकि इसका वित्त विधेयक से कोई संबंध नहीं है, यानि सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर भी संसद में कोई चर्चा नहीं चाहती है। कामरेड महापात्र ने बताया कि एल आई सी कर्मचारियों के 85 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र संगठन है।

एलआईसी में नई भर्ती हो

एलआईसी की प्रगति के बाद भी घटते कार्यबल पर चिंता व्यक्त करते हुए कामरेड महापात्र ने एल आई सी में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में नई भर्ती की मांग की है, ताकि बीमाधारकों को बेहतर सेवा को और सक्षम बनाया जा सके और देश के बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं को रोजगार का अवसर भी मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रचंड बहुमत का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी हमारे संगठन को मान्यता न देने का विरोध किया है और इन दोनों मांगों पर 20 फरवरी को बहिर्गमन हड़ताल भी की थी। देश के श्रमिक वर्ग के लम्बे संघर्ष के बाद प्राप्त श्रम कानूनों को भी केंद्र सरकार बदलने की चेष्टा कर रही है जिसके विरुद्ध देश के सभी श्रम संगठनों ने 18 मार्च को दिल्ली में राष्ट्रीय कन्वेशन किया और उसमें 20 मई को देशव्यापी हड़ताल का निश्चय किया है।

समाचार प्रकाशन होने के बाद जिला प्रबंधक की खुली आंख, पायलट पर की सख्त कार्रवाई

ब्यौहारी, देशबन्धु। दिनांक 20 मार्च को देशबंधु समाचार पत्र में एक समाचार प्रकाशित में आया हुआ था की डीएम एवं पायलट की मिली भगत से उमरिया जिले की एक छत्तीसगढ़ नंबर की ब्यौहारी-मे खड़ी रहती है कोई केस नहीं कर रही है जब यह बात जिला प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा को लगी तो उनके द्वारा उस पायलट को कार्य मुक्त कर दिया गया है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डीएम सत्येंद्र वर्मा ने समय रहते ऐसे पायलट को कार्य मुक्त किया है औरसबक सिखाया है सत्येंद्र वर्मा द्वारा कहा गया है हमारे जिले में ऐसा कोई व्यक्ति करता है तो उसके हम उसके ऊपर सख्त कार्यवाही करवाएंगेताकि वह शासन की इस योजना पर कलिकना पहुंच सकेऔरसमय पर जनता को 108 गाड़ी का लाभ मिल सके जिला प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा का कार्य भार जब से इस जिला में हुआ है तब से उन्होंने मन धन से अपनाकर कर रहे हैंतरहजो सराहनी है।

उमरिया के 108 कर्मचारियों का कहना है किहमारे डीएम साहब काआभार है किहम लोगों को ऐसे अधिकारी मिले हैंजो समय परकार्य की देख देख और करी में काम करवाते रहते हैं गाड़ी कम होने के कारणभी लोगों तकगाड़ीउपलब्ध कराई जा रही हैशासन की योजना को जनता तक बराबर पहुंचा जा रहा हैहम लोग हमेशा ऐसे अधिकारियों के साथ रहकर काम करना पसंद करते हैं।

बुढार पुलिस पर हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, 18 पर केस, पुलिस कर रही तलाश

बिछिया नदी के पास पेड़ से लटका मिला युवती का शव, हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

अमलाई,देशबन्धु। थाना क्षेत्र के बिछिया नदी के समीप एक युवती का शव पेड़ में फंदे से लटका मिला। मृतका की पहचान 22 वर्षीय हेमलता केवट के रूप में हुई है, जो पिता प्रेम लाल केवट की पुत्री है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हेमलता का शव एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। उन्होंने बताया हमने मामले पर मर्ग कायम कर लिया है और पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की अन्य जानकारी स्पष्ट हो सकेगी।

घटना के बाद से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोग विभिन्न अटकलें लगा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि हेमलता ने आत्महत्या की है, जबकि अन्य इसे एक संदिग्ध हत्या मानते हैं। स्थानीय निवासी ने कहा कि यह एक दुखद घटना है। हमें यकीन नहीं हो रहा कि एक युवा लड़की ने ऐसा कदम उठाया। हमें उम्मीद है कि पुलिस इस मामले की जांच में तेजी लाएगी। थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया की पुलिस ने फिलहाल मामले की जांच शुरू कर दी है और आस-पास के लोगों से पूछताछ की जा रही हैमध्य प्रदेश के शहडोल जिले में पुलिस पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में ब्यौहारी के बाद बुढार पुलिस पर हमला करने की घटना सामने आई। यह घटना बुढ़ार के ईरानी बाड़ा में उस समय हुई, जब पुलिस सराफा कारोबारियों के साथ हुई गोलीकांड के संदिग्धों की तलाश में वहां पहुंची थी। इस मामले में पुलिस ने 18 नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इनमें से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी अतिथि शिक्षकों और मजदूरों के नाम पर जनजातीय कार्य विभाग में करोड़ों का गबन का खुलासा, जांच

उमरिया, देशबन्धु। शासकीय राशि के गबन का बड़ा घोटाला सामने आया है। मामला जनजातीय कार्य विभाग से जुड़ा है, जहां पाली ब्लॉक में पदस्थ अफसरों ने फर्जी अतिथि शिक्षकों और मजदूरों के नाम पर करोड़ों रुपये का गबन किया। अब तक की जांच में करीब 2.60 करोड़ रुपये की हेराफेरी उजागर हुई है। यह राशि जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने रिश्तेदारों के बैंक खातों में ट्रांसफर करवा दी।

इस घोटाले का खुलासा आयुक्त, कोष एवं लेखा की निगरानी में हुआ। भोपाल स्थित अधिकारियों ने पाली ब्लॉक में 24 संदिग्ध खातों की पहचान की है और उनकी सूची भेजी है। इस गबन को अंजाम देने में माध्यमिक शिक्षक रामबिहारी पांडेय, लिपिक अशोक कुमार धनखड़ और कंप्यूटर ऑपरेटर बालेंद्र द्विवेदी का नाम सामने आया है। हालांकि, जांच के बाद अन्य अधिकारियों की संलिप्तता भी उजागर हो सकती है।

2018 से चल रहा था खेल

वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा फाइनेंशियल इंटेलिजेंस कमेटी (स्न्स्न्द्बष्ट) ने किया। कमेटी को 24 खातों पर संदेह हुआ और जांच में पाया गया कि ये सभी खाते जिम्मेदार अफसरों के रिश्तेदारों के थे। बताया जा रहा है कि यह गबन 2018 से 2023 के बीच किया गया। विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी राणा प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। आशंका है कि गबन की राशि 2.60 करोड़ से भी अधिक हो सकती है।

जांच के लिए पाली ब्लॉक पहुंचे एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह और सहायक कोषालय अधिकारी की टीम ने जनजातीय कार्य विभाग के खंड शिक्षा अधिकारी राणा प्रताप सिंह से पूछताछ की। टीम ने 2018-2023 के वित्तीय लेन-देन से जुड़े रजिस्टर और अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। प्राथमिक जांच में 2.60 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता की पुष्टि हुई है। एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने कहा कि दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर दोषी अधिकारियों और खाताधारकों के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिक्कल के एआचार मैनेजर को कूटरचना कर झूठे केस में फसाने की रच रहे साजिश

सिंगरौली, देशबन्धु। एनसीएल के निगाही परियोजना में ओबी हटाने का कार्य लगभग एक वर्षों से अधिक समय से सिक्कल -एसआईपीएल कर रही है जिसके एचार मैनेजर रंजीत सिंह को कुछ डीबीएल कंपनी के पुराने कर्मचारियों के द्वारा एक कुट रचना कर फर्जी मनगढंत केश मे फसाकर नौकरी के लिए दबाब बनाया जा रहा है व बदनाम किया जा रहा है।

रंजीत सिंह सिंगरौली जिले मे कई वर्षो से एचार मैनेजर के रूप मे सिक्कल कंपनी मे अपनी सेवाए दे रहे है। हमेशा हसमुख बेदाग ईमानदार छवि वाले श्री सिंह रहे है इनके कार्यों की सराहना हमेशा होती है,सभी राजनैतिक दलों,सभी यूनियनो, प्रशासनिक अधिकारियो,एनसीएल के अधिकारियो से सामजस्य बनाकर कार्य कर रहे है। लेकिन कुछ टूटपुजिये पत्रकार जिनकी न तो डिग्री का पता और न ही सही से कुछ पत्रकारिता के बारे मे आता है ऐसे लोग पत्रकारिता की आड़ मे ईमानदार अधिकारी को बदनाम कर फर्जी केश लगवाने के लिए प्रशासन पर दबाब बना रहे है!

ज्ञातव्य हो कि सिक्कल कम्पनी का कार्य लगभग एक वर्ष से चल रहा है जिसमे सत्तर प्रतिशत से अधिक रोजगार यहाँ के विस्थापित, प्रभावित, स्थानीय को जिला प्रशासन के निर्देश पर दिया गया है।

सिंगरौली जिले में जितने भी आउटसोर्सिंग कम्पनी कार्यरत है उसमें सबसे ज्यादा रोजगार सिक्कल कंपनी ने दिया है। डीबीएल के 868 की लिस्ट मे लगभग 600 लोगो से अधिक लोगो को रोजगार सिक्कल ने दिया कुछ कर्मचारी हेल्पर व सुपरवाइजर है जो शेष बचे है उनकी जगह कंपनी मे नही है क्षमता से अधिक मेन पावर कंपनी ने रखा है!

रंजीत सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की हरीश चन्द्र शर्मा जो की पूर्व मे डीबीएल कंपनी मे हेल्पर, रामकेश शर्मा ड्राइवर,बुद्ध सेन शर्मा हेल्पर, व्यंकट रमन शर्मा हेल्पर के पद पर कार्य कर रहे थे आये दिन कमरे पर आकर नौकरी के लिए दबाब बनाते थे, कभी-कभी अपनी औरत को भी लेकर नौकरी के लिए दबाब बनाते थे मैने हमेशा मैने यही कहाँ की कंपनी मे जगह नही है जब होगा तो जरूर देंगे!

दिनांक 22-03-2025 को पुनः हरिश्चन्द्र शर्मा अपनी पत्नी के साथ सुबह मेरे कमरे के सामने आये तब मैने कहाँ रोज-रोज आकर आप क्यो परेशान करते है जब जगह होंगी तो मै रख लूँगा अभी जगह नही है! तब हरीश चन्द्र शर्मा ने धमकी देते हुए बोला की मै नौकरी लेकर रहूँगा देख लेना। इसके बाद पता चला की झूठी मनगढंत इनके द्वारा रिपोर्ट की गई है जो की बिल्कुल गलत है। रामकेश शर्मा, हरीश चन्द्र शर्मा, बुद्ध सेन शर्मा नौकरी के नाम पर कई लोगो से पैसा लिए है नौकरी न लगवाने की दशा मे फर्जी रिपोर्ट कर कंपनी के एचार मैनेजर को बदनाम रहे है। पूर्व मे भी कई लोगो पर नौकरी के लिए दबाब बनाकर अपनी घर की औरतों से धमकी दिलवाते है की तुम नौकरी लगवाओ नही तुमको हम लोग फसाएंगे इनके खिलाफ पूर्व मे रिपोर्ट भी हुआ है इनका यही धंधा बन चुका है!

सिक्कल के एचार मैनेजर रंजीत ने जिला प्रशासन से मांग की है कि निष्पक्ष जांच कर फर्जी मनगढंत कुट रचना कर फसाने वालो के ऊपर उचित कानूनी कार्यवाही करने की कृपा कि जाए जिससे उचित न्याय मिल सके और आगे का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से कंपनी कर सके। आगे सिंह ने कहा की मै माननीय न्यायलय मे जाऊंगा और मान हानि का केश करूँगा तथा उन पत्रकारों के ऊपर भी मान हानि का केश करूँगा।